व्यक्तिगत विभिन्नताओं के कारण (Causes of Individual Differences)

व्यक्तिगत भिन्नता का प्रभाव अधिगम प्रक्रिया तथा उसकी उपलब्धि पर पड़ता है। बुद्धि तथा व्यक्तित्व, व्यक्तिगत भिन्नता के आधार है। इनके कारण सीखने की क्रिया प्रभावित होती है। व्यक्तिगत भिन्नता का पता परीक्षण, व्यक्ति इतिहास विधि तथा सामूहिक अभिलेखों से चलता है। इन प्राप्त परिणामों के आधार पर शिक्षक एवं प्राचार्य अपना मत छात्र के विषय में निर्धारित करते हैं। • व्यक्तिगत विभिन्नताओं के अनेक कारण हैं, जिनमें से अधिक महत्त्वपूर्ण निम्नांकित हैं

(1) वंशानुक्रम (Heredity)-व्यक्तिगत विभिन्नताओं का पहला आधारभूत कारण है-वंशानुक्रम रूसो, पीयरसन (Rousseau, Pearson) और गाल्टन (Galton) इस कारण के प्रबल समर्थक हैं। उनका कहना है कि व्यक्तियों की शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विभिन्नताओं का एकमात्र कारण उनका वंशानुक्रम हो है। इसीलिए स्वस्थ, बुद्धिमान और चारत्रवान माता-पिता की सन्तान भी स्वस्थ, बुद्धिमान और चरित्रवान होती है। मन (Munn) भी वंशानुक्रम को व्यक्तिगत विभिन्नताओं का कारण स्वीकार करते हुए लिखता है— "हमारा सबका जीवन एक ही प्रकार आरम्भ होता है। फिर इसका क्या कारण है कि जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं, हममें अन्तर होता जाता है ? इसका एक उत्तर यह है कि हमारा सबका वंशानुक्रम भिन्न होता है।"

(2) वातावरण (Environment)—व्यक्तिगत विभिन्नताओं का दूसरा आधारभूत कारण है वातावरण मनोवैज्ञानिकों का तर्क है कि व्यक्ति जिस प्रकार के सामाजिक वातावरण में निवास करता है, उसी के अनुरूप उसका व्यवहार, रहन-सहन, आचार-विचार आदि होते हैं। अतः विभिन्न सामाजिक वातावरणों में निवास करने वाले व्यक्तियों में विभिन्नताओं का होना स्वाभाविक है। यही बात भौतिक और सांस्कृतिक वातावरणों के विषय में कही जा सकती है। ठण्डे देशों के निवासी लम्बे, बलवान और परिश्रमी होते हैं, जबकि गरम देशों के रहने वाले छोटे, निर्बल और आलसी होते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक वातावरणों के कारण हो हिन्दुओं और मुसलमानों में अनेक प्रकार की विभिन्नताएँ दृष्टिगोचर होती हैं।

(3) जाति, प्रजाति व देश (Caste, Race and Country)—व्यक्तिगत विभिन्नताओं का तीसरा कारण है-जाति, प्रजाति और देश ब्राह्मण जाति के मनुष्य में अध्ययनशीलता और क्षत्रिय जाति के मनुष्य में युद्धप्रियता का गुण मिलता है। नीग्रो प्रजाति की अपेक्षा श्वेत प्रजाति अधिक बुद्धिमान और कार्य-कुशल होती है। व्यक्तिगत विभिन्नताओं के कारण हो हमें विभिन्न देशों के व्यक्तियों को पहचानने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती है।

(4) आयु व बुद्धि (Age and Intelligence), व्यक्तिगत विभिन्नताओं का चौथा कारण है- आयु और बुद्धि। आयु के साथ-साथ बालक का शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक विकास होता है। इसीलिए, विभिन्न आयु के बालकों में अन्तर मिलता है। बुद्धि जन्मजात गुण होने के कारण किसी को प्रतिभाशाली और किसी को मूढ़ बनाकर अन्तर की स्पष्ट रेखा खींच देती हैं।

(5) शिक्षा व आर्थिक दशा (Education and Economic Status)—व्यक्तिगत विभिन्नताओं का पाँचवाँ कारण है- शिक्षा और आर्थिक दशा शिक्षा-व्यक्ति को शिष्ट, गम्भीर और विचारशील बनाकर अशिक्षित व्यक्ति से उसे भिन्न कर देती है। गरीबी को सभी तरह के पापों और दुर्गुणों का कारण माना जाता है। गरीबी के कारण लोग चोरी, डाका और हत्या जैसे जघन्य कार्यों को भी पाप नहीं समझते हैं। पर ये लोग उन व्यक्तियों से पूर्णतया भिन्न होते हैं, जो उत्तम आर्थिक दशा के कारण प्रत्येक कुकर्म को अक्षम्य अपराध समझते हैं।

(6) लिंग-भेद (Sex Difference)—व्यक्तिगत विभिन्नताओं का छठवाँ कारण है-लिंग-भेद। इस भेद के कारण बालकों और बालिकाओं को शारीरिक बनावट, संवेगात्मक विकास की कार्यक्षमता में अन्तर मिलता है। इसके अलावा, जैसा कि स्किनर (Skinner) ने लिखा है—बालकों में शारीरिक कार्य करने की क्षमता अधिक होती है, जबकि बालिकाओं में स्मृति की योग्यता अधिक होती है। बालक, गणित और विज्ञान में बालिकाओं से आगे होते हैं, जबकि बालिकायें भाषा और सुन्दर हस्तलेख में बालकों से आगे होती हैं। बालकों पर सुझाव का कम प्रभाव पड़ता है, पर बालिकाओं पर अधिक। बालकों की रुचि, साहसी कहानियों में होती है, जबकि बालिकाओं की प्रेम-कहानियों और दिवास्वप्नों में होती है।

व्यक्तिगत विभिन्नताओं के अनेक कारणों को लेखबद्ध किया है। ये कारण सामान्य रूप से व्यक्तियों की विभिन्नताओं के लिए उत्तरदायी हैं। पर जहाँ तक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों का प्रश्न है, उसकी विभिन्नताओं के कुछ अन्य मुख्य कारण भी हैं। इनका उल्लेख करते हुए गैरीसन व अन्य ने लिखा है-"अन्य बालकों की विभिन्नताओं के मुख्य कारणों को प्रेरणा, बुद्धि, परिपक्वता, पर्यावरण सम्बन्धी उद्दीपन की विभिन्नताओं द्वारा व्यक्त किया जा सकता है।"

"The differences among children may best be accounted for by variations in motivation, intelligence, maturation and environmental stimulation." -Garrison and Others (p. 31)